कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन / फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

क्र. / जन.कार्य. / 2021–22 / 95 दिनांक : 19 / 07 / 2021

प्रति,

श्रीमान संपादक महोदय / ब्यूरोचीफ

ग्वालियर, म.प्र.

महोदय,

निवेदन है कि राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का एक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाषनार्थ प्रेषित है। कृपया प्रकाशित कर सहयोग करने का कष्ट करें।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

प्रेसनोट :

रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय

• धार के कृषि विज्ञान केन्द्र को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

ग्वालियर। रा.वि.सिं.कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, धार को कृषि विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कृषि विज्ञान प्रोत्साहन पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्थापना दिवस पर आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा केन्द्र को पुरस्कार स्वरूप शील्ड, प्रशस्ति पत्र तथा सम्मान राशि रू. सात लाख प्रदान की गई। देशभर के 722 केन्द्रों में से धार का चयन हुआ। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री श्रीमती शोभा करंदलाजे, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र विशिष्ट अतिथि थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, धार को यह पुरस्कार विगत पॉच वर्षो में जिले में आदिवासी तथा अन्य वर्गों के कृषकों के बीच महत्वूपर्ण तकनीकी जैसे बहुमंजिला खेती, उच्च तकनीकी उद्यान, फसल विविधिकरण, कडकनाथ मुर्गी व बकरा पालन, एकीकृत कृषि प्रणाली, केंचुआ खाद प्रदर्शन इकाई, जैविक खेती, कृषि अवशिष्ट प्रबंधन, कृषि में नवाचार, महिला सशक्तिकरण, उन्नत किस्मों के प्रचार–प्रसार, मछली पालन व मेंढ़ नाली पद्वति के माध्यम से किसान की आय व उत्पादन वृद्धि के साथ–साथ उच्च गुणवत्तायुक्त बीज तैयार कर प्रदेश व देश के अन्य

कार्यालय जनसम्पर्क अधिकारी

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

राजा पंचम सिंह मार्ग, ग्वालियर (म.प्र.) – 474002

फोन / फैक्स : 0751–2970230, 2970231

ईमेल : pro.rvskvv@gmail.com

राज्यों को उपलब्ध कराने जैसे उल्लेखनीय कार्यो के लिए प्रदान किया गया। इसी के साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र, धार में पूर्व में प्रधान वैज्ञानिक रहे डॉ. के एस. किराड की टीम ने कृषि आदान विक्रेताओं के लिए कृषि विस्तार सेवा में देशी डिप्लोमा प्रारंभ करने का सफल प्रयोग मध्यप्रदेश में प्रथम बार किया। कोरोना महामारी में प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार सृजन और आय बढ़ाने हेतु प्रशिक्षणों एवं संचार माध्यमों का अच्छा उपयोग किया गया। एस.एम.एस., व्हाटस एप आदि से हजारों किसानों को समसामयिक सूचनाए व सलाह दी गई।

कृषि विश्वविद्यालयके संचालक विस्तार सेवायें डॉ. एस.एन. उपाध्याय जानकारी देते हुए ने बताया कि देश ने 722 कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यों का मूल्यांकन करने के उपरांत धार कृषि विज्ञान को चुना जाना विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसमे कृषि विज्ञान केन्द्र टीम के डॉ. किराड के साथ साथ डॉ. जी.एस. गाठिए, डॉ. एस. एस. चौहान, डॉ. जे.एस. राजपूत, डी.एस. मंडलोई, गौरव सारस्वत व भूपेन्द्र कुमार कुर्मी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वि.वि. कुलपति प्रो. एस.के. राव, निदेशक, अटारी, जबलपुर डॉ. एस. आर.के. सिंह को इसके लिए कृषि विज्ञान केन्द्र धार के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।